बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर, बिहार

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

बुलेटिन संख्या- 36/2025 **दिनांक-13मई 2025**

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

(14-18 मई 2025)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, बिहार कृषि विश्वविद्यालय एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- **भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार, 14 से 18 मई के दौरान जिले के एक या दो स्थानों पर गरज के साथ बिजली चमकने और 40-50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से तेज़ हवाएं चलने की संभावना है। हालाँकि अरवल, रोहतास, कैमूर, भोजपुर, औरंगाबाद, बक्सर जिलों में अगले 2 दिन गर्म और आर्द्र (नम) दिन रहने की संभावना है।**
- **अधिकतम तापमान 39-40 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 27-28 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की संभावना है।**
- **सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 80-85 प्रतिशत तथा दोपहर में 20-25 प्रतिशत रहने की संभावना है।**
- **पूर्वानुमान की अवधि में 10-35 किमी/घंटा की रप्तार से कल पछिया एवं उसके बाद पूरबा हवा चल सकती है।**

फसल	समसामयिक सुझाव
धान	धान की नर्सरी के लिए खेत की तैयारी करें। स्वस्थ पौध के लिए नर्सरी में सड़ी हुई गोबर की खाद का व्यवहार करे। एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में रोपाई हेतु 800- 1000 बर्ग मीटर क्षेत्रफल में बीज गिरावें। नर्सरी में क्यारी की चौड़ाई 1.25-1.5 मीटर तथा लम्बाई सुविधा अनुसार रखें। बीज की व्यवस्था प्रमाणित स्त्रोत से करें। देर से पकने वाली किस्मों की नर्सरी 25 मई से लगा सकते हैं।
मूंग एवं उरद	मूंग एवं उरद की फसल मे रस चूसक कीट माहु, हरा फुदका, सफेद मक्खी व थ्रीप्स कीट की निगरानी करें। बचाव हेतुमैलाथियान 50 ई0सी0 या डाइमेथोएट 30 ई0सी0 का 1 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से फसल मे छिड़काव आसमान साफ रहने पर ही करें।
भिण्डी	भिन्डी की फसल को लीफ हाॅपर कीट का प्रकोप दिखाई देने पर इमिडाक्लोप्रिड 0.5 मी0ली0 प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। भिंडी फसल में माइट कीट की निगरानी करते रहे। प्रकोप दिखाई देने पर ईथियाँन/1.5 से 2 मि0ली0 प्रति ली0 पानी की दर से छिड़काव करें। गरमा सब्जियों जैसे भिन्डी, नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा की फसल में निकाई-गुड़ाई करें।
सब्जियाँ	फल मक्खी लत्तर वाली सब्जियों जैसे नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा फसल को क्षति पहुचाने वाला प्रमुख कीट है। इस कीट का प्रकोप शुरू होते ही **1** किलोग्राम छोआ, **2** लीटर मैलाथियान **50** ई**0**सी**0** को **1000** लीटर पानी मे घोल कर **15** दिनों के अन्तराल पर दो बार छिड़काव आसमान साफ रहने पर ही करें।
आम	आम के बागों में फल मक्खी के प्रबन्धन के लिए "फ्रूट फ्लाई ट्रैप" स्थापित करें । प्रति हेक्टेयर 15-20 फरोमैन ट्रैप लगाकर फ्रूट फ्लाई मक्खी को प्रबंधित किया जा सकता है। इन ट्रैपो को निचली शाखाओं पर 4 से 6 फिट की ऊंचाई पर बांधना चाहिए।एक ट्रैप से दूसरे ट्रैप के बीच में 35 मीटर की दूरी रखे । ट्रैप को कभी भी सीधे सूर्य की किरणों में नहीं रखे । ट्रैप को आम की बहुत घनी शाखाओ के बीच में नहीं बाधना चाहिए । ट्रैप बाग में स्पष्ट रूप से दिखाई देना चाहिए की कहा बाधा गया है । ट्रैप बांधने की अवस्था फल पकने से 60 दिन से पहले होना चाहिए और 6 से 10 सप्ताह के अंतराल पर नर की सुगंध बदलते रहना चाहिए।
लीची	लीची के पेड़ में फल बेधक कीट से बचाव हेतु लीची के पत्तियों एवं टहनियों पर प्रोफेनोफाॅस 50 ई0सी0 का 10 मि0ली0 या कार्बारिल 50 प्रतिशत घुलनशील पाॅवडर का 20 ग्राम दवा को 10 लीटर पानी में घोलकर अप्रैल माह में 15 दिनों के अन्तराल पर प्रति पेड़ की दर से दो छिड़काव आसमान साफ रहने पर ही करें।
पशुपालन	गलाघोटू एवं लंगड़ी रोग से वचाव के लिए टीकाकरण कराने की आवश्यकता है। सभी दुधारू पशुओ में टीकाकरण अवश्य कराये। नए गेहूँ के भूसा को खिलाने के पूर्व करीब 2 घंटा पानी में फुला लें एवं 50 ग्राम खनिज मिश्रण तथा 50 ग्राम नमक, चारा-दाना मिलाकर दें।

(डॉ0 नेहा पारीक) वैज्ञानिक (ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)	(डॉ0. बीरेंद्र कुमार) नोडल पदाधिकारी (ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)